

---

# Rishidadhichiproktam Shiva Stotram

——  
ऋषिदधीचिप्रोक्तं शिवस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : Rishidadhichiproktam Shiva Stotram

File name : RRIshidadhIchiproktaMshivastotram.itx

Category : shiva, shivarahasya, stotra

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 27

madhyArjunamahimAnuvarNanam | 163-?||

Latest update : June 16, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 16, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Rishidadhichiproktam Shiva Stotram

---

### ऋषिदधीचिप्रोक्तं शिवस्तोत्रम्

---



(शिवरुद्रस्थान्तर्गते उग्राख्ये)

दधीचिरुवाच

--

कृत्वैवं कवचं पूर्वं स्तोत्रमेतत्पठेन्नरः ।

स्तोत्रं चैतन्मडेशेन तस्मा आप्यातमादरात् ॥ १६३ ॥

--

७२ ७२ मभ७२ पुरारे

नष्टसुरासुर पापारेऽधमारे ।

अधमरि भूतभयङ्कुर

भवभय ७२ शङ्कुरसंसारि ॥ १/? ॥

सर्गस्थितिकारण पुराण-

विषमोक्षण पिनाकपाणे ।

त्रिशूलपाणे चन्द्ररेष्माभरण

कारण कारण भृगुपाणे ॥ २/? ॥

मणिगणमण्डित -कृष्णगण-

कृष्णपतिभूषित निर्जितकाम ।

सम्पूर्णकाम विविधा-

नन्तकल्याणगुण ॥ ३/? ॥

गौरीमनोऽभिराम

योगिमनोऽभिराम ।

विविधनिर्मितसाम ।

विविध श्रुत्यऽभिहित

परमाद्भुतधाम ॥ ४/? ॥

स्मरशासन सुमेरु-

रत्नरुचिरवरशिभर ।

शिभरिवर कृतवास

कृत्तिसमलङ्कृत स्मरशासन ॥ ५/? ॥

संछत धात्रवलेपन

सन्ध्यासुरवरकानन ।

छिमगिरिनिभवृषभाधिप-

केतन गुरुतर करुणानिधान ॥ ६/? ॥

धिक्कृत सर्वाभरजना-

नवरतानन्तुन्दिलस्वान्त ।

शार्दूलयर्मवसन-

समधिष्ठत मलामलाश्मशान ॥ ७/? ॥

भक्तभव भञ्जन सोम-

सूर्याग्निनयन कालकूटविषादन ।

जय जय मडेश डेशवेश

जय जयाम्बिकेश ॥ ८/? ॥

जय जय विम्वेश जय जय

गौरीश जयजय प्रछत गजाधीश ।

ज्वलज्ज्वालि मलाज्वलन

संसारं छर संछरामरवर ॥ ९/? ॥

नाशय नाशय पातक-

मुन्मूलयोन्मूलय भूतभयम् ।

भोधय भोधय भोध-

माह्लादयाह्लादय मानसम् ॥ १०/? ॥

द्वेछिद्वेछि मुञ्जितमाम-

वरदाछिवन्ध यन्द्रयूड ।

छन्द्रयन्द्रोपेन्द्रादि सकल-

सुररत्नकिरीटप्रभा भूषित ॥ ११/? ॥

दिव्यरत्न भयित

विविधमणिपादुङ्क ।

लक्ष्मीपति नयनारविन्द पूञ्जितपादपद्म

मुनिवरदृत्पद्मनिवास भुक्तिमुक्तिप्रद ॥ १२/? ॥

दलितामरवैशिनिकर राजितमृगशाभाङ्गु-

यन्द्रावतंस समधिष्ठित काशीनगर ।

वरप्रद वरयोगियित्तिन्तित

यित्तिन्तित जन मन्द(दा)र ॥ १३/? ॥

मन्दारकुसुमकरवन्दारु वृन्दारक पूजित

जितमन्मथ नन्दानन्दिकुलकुलायल ।

रसातल तलातल सुतल वितलादि नानाभुवन नायक

नायकरत्न रत्नपुरविलसत्पादपङ्कज ॥ १४/? ॥

जगदेकनायक जयजय मलादेव । १५.१/?

॥ एति शिवरदृत्थान्तर्गते ऋषिदधीचिप्रोक्तं शिवस्तोत्रं सम्पूर्णांम् ॥

- ॥ श्रीशिवरदृत्स्यम् । उग्राप्यः सप्तमांशः । अध्यायः २७ मध्यार्जुनमहिमानुवर्णनम् । १६३-? ॥

- .. shrIshivarahasyam . ugrAkhyah saptamAMshaH . adhyAyaH 27 madhyArjunamahimAnuvarNam . 163-?..

Notes:

R̥ṣi Dadhīci ऋषि दधीचि conveys the related ŚivaStotram शिवस्तोत्रम् (to the King) and mentions about the ŚivaKavacam शिवकवचम्.

The latter can be accessed from one of the links given below.


Śloka numbering (after 163) in the source text seems missing (marked as /?) in most of this part. Renumbering from 1-15.1 has been done for readers' reference.

Proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Rishidadhichipraktam Shiva Stotram*

pdf was typeset on June 16, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

